

शरान्धोरान्ववर्ष MBh. 1, 5453. 5, 7155. बाणमयं वर्षम् 7269. R. 6, 73, 17. मय्यवर्षत शरधाराः सक्तश्चः MBh. 3, 796. कृषं वारि नेत्राभ्यां वर्षमाणा HARIV. 4744. ततो वसु तथार्थयो भूत्येभ्यश्च वर्ष स (राजा) KATHA. 52, 380. लोकस्य पदर्थति चाशिषो ऽर्थिनः BHAG. P. 4, 4, 15. 6, 14, 35. *beregnen*: भतरी भतरी युधि । शरैर्ववर्षतुर्धैरिर्महमेवो यथाचलम् ॥ MBh. 8, 2704. सेनां वर्षतो शरवर्षः 5, 718. 6, 2677. MĀR. P. 21, 82. 83, 2. अन्योऽन्यं शरवर्षाभ्यां ववर्षति रणाङ्गिरे MBh. 6, 1689. — वृष्ट mit act., neutr. und pass. Bed.: अथ त्रिगर्तेभ्यो वृष्टे देवः Schol. zu P. 1, 4, 58. 2, 1, 12. यच्चतुर्विंशत्यापि वर्षेवृष्टे ऽपि पर्जन्ये न शुष्यति PĀNĀT. 51, 16. गर्भः प्रसवे यदि न वृष्टः VARĀH. BH. S. 21, 33. यदि न वृष्टम् *wenn es nicht geregnet hat* 23, 5. वृष्टे *wenn es geregnet hat* AV. 3, 24, 3. VARĀH. BH. S. 22, 2. 25, 3. यथेदं कुर्वे वृष्टे पर्वतिषु विधावति *das als Regen niedergefallene Wasser KATHOP. 4, 14. R. 2, 113, 16 (124, 16 GORR.)*. देववृष्टे यथा पयः BHAG. P. 4, 18, 11. वृष्टे तत् VARĀH. BH. S. 23, 3. प्राणिना यदा वृष्टाः *so v. a. wenn es Thiere geregnet hat* 46, 12. सुवृष्ट *ein schöner Regen* R. 6, 109, 60.

— *caus. regnen lassen*: यूयं वृष्टिं वर्षयथ RV. 5, 55, 5. याम् 63, 3. 6. 9, 96, 3. den Pārganja TS. 2, 4, 10, 2. Indra MBh. 3, 9991. ohne acc. KĀND. UP. 2, 3, 2. BHAG. P. 5, 22, 12. ये अद्विरीशाना मरुतो वर्षयन्ति AV. 4, 27, 5. *Etwas als Regen herabfallen lassen*: कुसुमाद्यैर्वर्षतिः VARĀH. BH. S. 46, 41. *beregnen*: (तम्) अवीवृषन्बाणमक्षिपयन् यथा गिरिं तोयधरा जलैः MBh. 6, 3756. 8, 718. वर्षति *n. Regen* HARIV. 266. 12497. वर्षणा *die neuere Ausg. an beiden Stellen*. वर्षायति *regnen lassen*: स पर्जन्ये शतैर्नवे वर्षाय RV. 10, 98, 1. वर्षयते DHĀTUP. 30, 38 (शक्तिबन्धने, प्रजनैः). — Vgl. वर्षय.

— अति *in Menge regnen*: देवे ऽतिवर्षति BHAG. P. 2, 7, 32. अतिवृष्टा-वित्राब्धौ *heftig regnend* MBh. 7, 8104 (nach der Lesart der ed. Bomb.). विद्याधर्किनरसिद्धयैः — अतिवृष्टमुपपचये PĀNĀT. 3, 12, 6.

— अनु *hinterregnen über* AV. 4, 15, 4. मेघा वर्षन्तु पृथिवीमनु 7. TS. 7, 5, 11, 2.

— अभि *beregnen, beschütten*: यदीमेना उशता अयवर्षति RV. 7, 103, 3. 4. Pārganja VS. 36, 10. न वर्ष मेत्रावर्षां ब्रह्मज्यमभि वर्षति AV. 5, 19, 15. 11, 4, 5. 6. 17. CAT. Br. 3, 1, 1, 8. 2, 2, 27. PĀNĀT. Br. 15, 9, 9. 17, 7, 2. TS. 7, 5, 11, 1. नाराजके जनपदे — अभिवर्षति पर्जन्यो महो दिव्येन वारिणा Spr. 4425. BHAG. P. 5, 4, 3. सस्यानि मन्दमभिवर्षति वृत्रशत्रौ VARĀH. BH. S. 19, 21. मेघसंधाः — अयवर्षन्सुगणान् MBh. 1, 1128. HARIV. 8800 (med.). पुष्पवृष्टिर्दशमीवं पुनरेवायवर्षत R. 3, 58, 30. fg. कुसुमेभ्य-वर्षन् (तम्) BHAG. P. 6, 12, 34. माल्यैः 10, 18, 32. वागमतेन सः । अभिवृष्य मरुत्सस्यं कृष्णमेघस्तिरोद्धे ॥ RAGH. 10, 49. मंसहृद्गिरयेन वेदी तामभ्य-वर्षताम् R. 1, 21, 5 (22, 5 GORR.). शोणितेन R. 6, 11, 28. भुवं कोक्षेन प्रम-वेण RAGH. 1, 84. स्तना दुःखैरभ्युबिन्दुभिः MBh. 3, 583 (med.). शस्त्रैः 13, 1980 (med.). यष्टिभिः 1, 5464 (med.). 5492 (med.). शरैः 5, 1840. 7211. 4, 1688. R. 3, 31, 6. 56, 37. 6, 75, 45 (med.). VIKR. 54, 7. BHAG. P. 4, 10, 12. 6, 10, 26. उपायनैः RAGH. 13, 48. कामैः R. 2, 31, 12. Spr. 2781. परिकरैः 4037. अन्नपानेन MBh. 3, 1810. धनवर्षेण 2, 1101. *regnen*: यदा त्वमभिवर्षति PRAÇNOP. 2, 10. MBh. 1, 6627 (med.). HARIV. 11329. R. ed. Bomb. 2, 91, 25 (med.). राष्ट्रं ऽभिवर्षति देवः VARĀH. BH. S. 82, 6. चैत्रासितसंभू-ताः (गर्भाः) कार्तिकशुक्ले ऽभिवर्षति 21, 12. कुसुमैः MBh. 1, 4062 (med.). अशुबिन्दुभिः R. GORR. 2, 29, 25. तोमरैः MBh. 3, 15732. धनैः HARIV.

6359 (med.). R. GORR. 2, 32, 16. तस्य तस्य कामैः 1, 54, 6. mit acc.: रु-धिर्म् HARIV. 10603 (चाप्यवर्षत *die neuere Ausg. st. चाप्यवर्षत der älteren*). अखिलार्थान् BHAG. P. 10, 82, 29. तत्सर्वं कामधुग्दिव्ये अभिवर्ष R. 1, 52, 28 (53, 28 GORR.). प्रबोधामृतमङ्गिर्वर्गे CAT. 14, 336. अभिवृष्ट *be-regnet, worauf Regen gefallen ist, beschüttet* ĀCV. ÇA. 3, 11, 22. SUCR. 1. 129, 9. 170, 14. MBh. 3, 12129. 5, 4098. R. 4, 29, 14. RAGH. 7, 66. VIKR. 79. VARĀH. BH. S. 11, 61. KATHA. 40, 92. BHAG. P. 8, 7, 12. माल्यैः MBh. 13, 2074. गदाभिः HARIV. 5586. प्रज्ञाशुभिः RAGH. 15, 99. mit act. Bed.: अभि-वृष्टाविवान्बुदौ MBh. 7, 8104. येषु भेषभिवृष्टे भूपस्तेष्वेव वर्षति प्रायः *es hat geregnet* VARĀH. BH. S. 23, 5. °वृष्टे 25, 2. यथाभिवृष्टम् (u. d. W. nicht genau wiedergegeben) *so weit als es geregnet hat* 23, 4. गहनमभिवृष्टं (so lesen wir mit der v. l.) पुनरिदम् *so v. a. aber es hat hier stark ge-regnet* VIKR. 125. — Vgl. अभिवर्षणा fg. — *caus. beregnen, beschütten*: शरैः MBh. 7, 8670. 1649. 7420. 8, 655. प्रसूनवर्षैरभिवर्षितः BHAG. P. 1. 11, 28. 10, 78, 15.

— समभि *beregnen* BHAG. P. 8, 7, 15.

— अथ *beregnen* VS. 22, 26. TBR. 3, 7, 2, 3. KĀTH. 35, 19. CAT. Br. 12, 4. 3, 10. KĀTJ. ÇA. 25, 11, 23. 12, 6. — Vgl. अववर्षणा.

— आ 1) *beregnen, beschütten* (mit Pfeilen) MBh. 4, 1688. — 2) *med. sich (ein Getränk) einschütten*: (इन्द्रः) उरुव्यवां जठरं आ वृषस्व RV. 1, 104, 9. 3, 32, 2. 40, 2. 60, 5. 6, 47, 6. 8, 24, 10. 50, 3. 10, 96, 13. 116, 1. 4. वृष्टः सोमस्य वृषणा वृषेयाम् 1, 108, 3. 6, 68, 11. पितरो मादयधं यथाभाग-मावृषायधम् (scheint aus °वृषधम् entstellt zu sein) ĀCV. ÇA. 2, 7, 1. — Vgl. अनावृष्टि.

— उद् *sich ausschütten* *so v. a. verschwenderisch anstheilen*: उद्वा-वृषस्व und उद्वावृषाणै RV. 8, 50, 7. 4, 20, 7. 29, 3.

— निम् *ausregnen, aufhören zu regnen*: निर्वृष्टलघुभिर्मैः RAGH. 4, 15. निर्वृष्टरमणीयेषु वप्रेषु HARIV. 3828. निर्वृष्टि° *die neuere Ausg., निर्वि-ष्टाः कृतविवाहाः तद्वद्रमणीयेषु* NILAK.

— परि *beregnen, beschütten*: तुरागैश्च वानारान्पर्ववर्षत R. 6, 75, 47.

— प्र *zu regnen anfangen, regnen*: पर्जन्यः R. 5, 95, 39. PĀNĀT. 169. 7. सक्तान्तः MBh. 1, 6630. HARIV. 2123. BHAG. P. 8, 14, 7. देवः R. GORR. 1, 9, 55. मेघः KĀND. UP. 5, 10, 6. impers. Schol. zu P. 1, 4, 84. 2, 3, 8. वि-षये वासवस्तस्य सम्पगेव प्रवर्षति । रत्नैर्धनैश्च पशुभिः सस्यैश्चापि पृथ-ग्विधैः ॥ MBh. 13, 97. यथेष्टमस्त्रवर्षेण प्रवर्षिष्ये 7, 9020. प्रवर्षति चन्द्रि-काभिश्चकारचक्षू चुलुकान्प्रतीन्दुः NĀSH. 22, 41. mit acc.: (मेघाः) क्रूराः क्रूरं प्रवर्षन्ति मिथं रुधिरबिन्दुभिः R. 6, 16, 6. रसान्देवः प्रवर्षति MBh. 13, 3236. 5, 3553. प्रवर्षाथ पर्जन्यः सधूमाङ्गारवृष्यः (acc.) HARIV. 8289. अखिलान्कामान्प्रज्ञाम् ब्राह्मणादिषु BHAG. P. 10, 89, 65. शरत्रातान् MBh. 5, 2131. ततः पृष्त्कान्प्रवर्ष सूयो यथा रश्मिजालान्समत्तात् 9, 1086. *be-regnen, beschütten*: शैलेन्द्रमिव धाराभिः प्रवर्षन्ति पयोधराः R. 3, 31, 9. शरैः परान्मेघ इव प्रवर्षन् MBh. 5, 1854. जमीताविव चान्योऽन्यं प्रवर्षन्-राक्ष्वे 7, 5710. प्रवृष्ट mit act. Bed.: मेघानां प्रवृष्टानाम् HARIV. 3928. प्रवृष्टे-स्थूलधाराभिर्मैः ऽस्मिन् *als diese Wolke zu regnen anfang* KATHA. 36, 82. यदाश्रिष देवराजं प्रवृष्टे शरैः MBh. 1, 150. अस्य पार्श्वे तरुः पुष्पैः प्रवृष्ट इव केसरः R. GORR. 2, 105, 6 = UTTAR. 116, 20 (158, 6). मेघा रक्तार्थं प्र-वृष्टः KATHA. 46, 141. प्रवृष्टे *wenn es regnet* VARĀH. BH. S. 25, 3. Vgl. प्रवर्ष fg., प्रावर्षिन्, प्रावृष् fg. — *caus. regnen machen* TS. 1, 6, 11, 4.